

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
विषय— “एचआईवी, एड्स एवं टीबी— कारण, बचाव एवं उपचार ”
20 जनवरी, 2025



श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रॉस इकाई द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2025 को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों एवं कॉलेज के विद्यार्थियों हेतु “एचआईवी, एड्स एवं टीबी— कारण, बचाव एवं उपचार” विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, गोण्डा के चिकित्सक डॉ० मिथिलेश, एमडी मेडिसिन द्वारा दिया गया। सहयोग डॉ० विवेक द्वारा किया गया।

डॉ० मिथिलेश ने जानकारी देते हुये बताया कि टीबी विश्व में सबसे अधिक मौतों की कारक है, जिसका 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ हमारे देश में व्याप्त है। 15 से 45 वर्ष के आयु समूह में इस बीमारी की बहुतायत है, जिसमें पुरुष ज्यादा संख्या में संक्रमित होते हैं। इसकी पहचान के लिए एक्स-रे तथा बलगम की जांच की जाती है। सरकार ने मरीजों की पहचान के लिए बहुत सी योजनायें शुरू की हैं, जिनमें से उन्होंने कई योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया कि इन योजनाओं में जांच, इलाज और निगरानी निःशुल्क है।

एचआईवी के संदर्भ में जानकारी देते हुये इसके कारण, जांच तथा इलाज के विषय में विस्तृत चर्चा की। इनसे बचाव के लिए उन्होंने भारतीय जीवन शैली को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उपचार से बचाव श्रेयष्कर है। यदि भारतीय परम्पराओं को ध्यान में रखकर जीवन यापन करेंगे तो इन बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

शिशिर त्रिपाठी— विभागाध्यक्ष, जन्तु विज्ञान विभाग ने अपनी ब्रीफिंग में एक साथी के साथ सम्बन्ध रखने पर विशेष बल दिया तथा संयमित जीवन जीने की सलाह प्रदान की। इसके साथ ही व्याख्यान के बाद एक पारस्परिक विचार-विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। समस्याओं का समाधान मुख्य वक्ता द्वारा किया गया।

रेड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि सरकार की ओर से 100 दिवसीय राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें सभी नागरिकों के सहयोग की अपेक्षा है ताकि इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सके।

प्रतिभागियों में रेड क्रॉस के सदस्य, एन0सी0सी0 के कैंडेड्स व कॉलेज के अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे। एन0सी0सी0 प्रभारी डॉ0 अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में रेड क्रॉस समिति के प्राध्यापक सदस्य— श्री शिशिर त्रिपाठी, डॉ0 पुनीत कुमार, डॉ0 ममता शुक्ला तथा मानसी पाण्डेय और विन्ध्य प्रसाद साहू तथा विद्यार्थी सदस्य— सत्यम दुबे व नितेश तिवारी व अभिजीत उपस्थित थे। स्वागत रेड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर बी0पी0 सिंह ने किया। प्रोफेसर वी0सी—एच0एन0के0 श्रीनिवासा राव, प्रोफेसर सन्दीप श्रीवास्तव, डॉ0 वन्दना भारतीय एवं अमित कुमार उपस्थित थे।





सड़क सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमर भारती ज्यूरों

गोंडा। स्थानीय श्री लाल बहादुर शास्त्री टिचो कॉलेज में प्राचार्य प्रो. रविन्द्र कुमार के निर्देशन में आयोजित किए जा रहे युवा उत्साह परियोजना के अंतर्गत सड़क सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता व रेडक्रॉस इकाई द्वारा एचआईवी एड्स, टीबी के कारण बचाव एवं उपचार विषय पर व्याख्यान का आयोजन संस्था 20 जनवरी को किया गया। सोमवार के इस कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए नैक सम्बन्धक प्रो. विवेक मिश्र ने पेंटिंग प्रतियोगिता में कुल 61 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सखी तिवारी एच.ए फर्स्ट सेमेस्टर, द्वितीय स्थान तातु तिवारी बी.ए फर्स्ट सेमेस्टर तथा तृतीय स्थान रुद्रि श्रीवास्तव बी.ए फर्स्ट सेमेस्टर एवं सुष्टि मिश्र बी.ए-3 सेमेस्टर ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्वाचक मंडल में प्रो. अमन चंदा, डॉ. पुनीत कुमार तथा डॉ. ममता शुक्ला सम्मिलित थे। निर्वाचक मंडल के सदस्यों ने प्रतियोगिता के विषय-सड़क सुरक्षा से सम्बंधित विषय वस्तु के विभिन्न आयामों तथा प्रस्तुतीकरण में सुलभता/सफाई के अक्षर पर निर्णय लिए। कार्यक्रम का संचालन

रेडक्रॉस इकाई द्वारा एचआईवी एड्स, टीबी के बचाव एवं उपचार विषय पर हुआ व्याख्यान

आयोजन समिति के सदस्य डॉ. अनीत कुमार मिश्र, डॉ. स्मिता मिश्र, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव प्रतिभा मिश्र ने अत्यंत व्यावस्थित तरीके से किया। कार्यक्रम के संयोजक पूजा पाठव थी, विन्दीने प्रतियोगिता के सफल और प्रभावशाली आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रो. राशि चाल, डॉ. लोदना कुमार कान्हावी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. योगेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, रजका मिश्र, रॉयल मिश्र की परिभाषायी उपस्थिति रही। श्री लाल बहादुर शास्त्री टिचो कॉलेज गोंडा की रैड क्रॉस इकाई द्वारा ललितता शर्मा सभाघर में रैड क्रॉस के सचिव/संयोजक एवं कॉलेज के विद्यार्थियों हेतु एचआईवी, एड्स एवं टीबी- कारण, बचाव एवं उपचार विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान स्वागत राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, गोंडा के चिकित्सक डॉ. निधिनेश, एमडी मेडिसिन द्वारा दिया गया। सहायक डॉ. विक्रम द्वारा किया गया। डॉ. निधिनेश ने जानकारी देते हुए बताया कि टीबी/एड्स विषय में सबसे

अधिक मौतों की कारक है, जिसका 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ हमारे देश में व्याप्त है। 15 से 45 वर्ष के आयु समूह में इस बीमारी की बहुत प्रचलना है, जिसमें पुरुष ज्यादा संख्या में संक्रमित होते हैं। इसके पहचान के लिए एम्स-ने तथा बालय को जांच की जाती है। सरकार ने मरीजों को पहचान के लिए बहुत सी योजनाएँ शुरू की हैं, जिनमें से उन्होंने कई योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया कि इन योजनाओं में जांच, इलाज और निगरानी नि:शुल्क है। एचआईवी/एड्स के संदर्भ में जानकारी देते हुए इसके कारण, जांच तथा इलाज के विषय में विस्तृत चर्चा की। इनसे बचाव के लिए उन्होंने भारतीय जीवन शैली को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उपचार से बचाव प्रेरक है। यदि भारतीय परम्पराओं को ध्यान में रखकर जीवन यापन करेंगे तो इन बीमारियों से बचे रह सकते हैं। शिक्षित विद्यार्थी- किशोरावस्था, जन्म विज्ञान विभाग ने अपनी ऑफिसिंग में एक सार्थक के साथ सम्बन्ध रखने पर विशेष बल दिया तथा संबंधित जीवन जीने की सलाह प्रदान की। इसके साथ ही व्याख्यान के बाद एक परम्परीक

विचार-विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। समस्याओं का समाधान मुझ यहाँ द्वारा किया गया। रैड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार आग्रहाल ने बताया कि सरकार की ओर से 100 दिवसीय राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चल रहा जा रहा है, जिसमें सभी नागरिकों के सहयोग की अपेक्षा है ताकि इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सके। प्रतिभागियों में रैड क्रॉस के सदस्य, एन०सी०सी० के कैडेट्स व कॉलेज के अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे। एन०सी०सी० प्रभारी डॉ. अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में रैड क्रॉस समिति के प्राथमिक सदस्य- श्री शिरीश विचारी, डॉ. पुनीत कुमार, डॉ. ममता शुक्ला तथा मानसी पाण्डेय और विलय प्रसाद साहू तथा विद्यार्थी सदस्य- सत्यम दुबे व निरेश तिवारी व अर्धजाति उपस्थित थे। स्वागत रैड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार आग्रहाल और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर बी०पी० सिंह ने किया। प्रोफेसर बी०सी०-एच०एन०के० श्रीवास्तव तथा, प्रोफेसर सन्दीप श्रीवास्तव, डॉ. बन्धु भारतीय एवं अमित कुमार उपस्थित थे।

संसू जागरण • गोंडा : श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज में युवा उत्सव पखवाड़ा के तहत सड़क सुरक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता व रेडक्रास इकाई ने एचआइवी, एड्स टीबी-कारण बचाव एवं उपचार विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम 61 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में साक्षी तिवारी प्रथम, ताशु तिवारी द्वितीय, दृष्टि श्रीवास्तव व सृष्टि सिंह संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं।

एचआइवी, एड्स 8 टीबी- कारण, बचाव एवं उपचार विषय पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सक डा. मिथिलेश ने व्याख्यान दिया। कहा कि टीबी विश्व में सबसे अधिक मौतों का कारण है, जिसका 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ हमारे देश में व्याप्त है। 15 से 45 वर्ष के आयु समूह में इस बीमारी की बहुतायत है।

एचआइवी व एड्स के बारे में बताया। जंतु विभाग विभाग के अध्यक्ष शिशिर त्रिपाठी ने संयमित जीवन जीने की सलाह दी।

रेड क्रस प्रभारी प्रो. राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि 100 दिवसीय राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। नैक समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह ने विचार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. अमन चंद्रा, डा. पुनीत कुमार व डा. ममता शुक्ला रहीं।

कार्यक्रम का संचालन डा. अजीत कुमार मिश्र, डा. स्मिता सिंह, डा. प्रियंका श्रीवास्तव, प्रतिभा सिंह व संयोजक पूजा यादव ने किया। प्रो. शशि बाला, डा. लोहंस कुमार कल्याणी, डा. संतोष कुमार, डा. योगेंद्र नाथ श्रीवास्तव, राकेश मिश्र, एनसीसी प्रभारी डा. अमित कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।